

सत्रीय कार्य पुस्तिका
विज्ञान में स्नातक उपाधि कार्यक्रम (बी.एससी.)
में
ऐच्छिक पाठ्यक्रम
आनुवंशिकी

1 जनवरी, 2021 से 31 दिसंबर, 2021 तक वैध

सत्रांत परीक्षा के लिए फार्म भरने से पहले सत्रीय कार्य
जमा करना अनिवार्य है।

कृपया ध्यान दें

- बी.एससी. कार्यक्रम में ऐच्छिक पाठ्यक्रम चार विषयों – रसायन विज्ञान, भौतिकी, गणित और जीव विज्ञान – में उपलब्ध हैं। ऐच्छिक पाठ्यक्रमों के कुल क्रेडिट 56 या 64 कम से कम दो और अधिकतम चार विषयों, में से हो सकते हैं।
- आपके द्वारा चुने गए किसी भी विषय में आपको कम से कम 8 क्रेडिट के ऐच्छिक पाठ्यक्रम लेने होंगे। किसी भी विषय में आप अधिक से अधिक 48 क्रेडिट के ऐच्छिक पाठ्यक्रम ले सकते हैं।
- आप भौतिकी, रसायन तथा जीव विज्ञान के ऐच्छिक पाठ्यक्रमों के जितने कुल क्रेडिट लेते हैं, उनमें से कम से कम 25 प्रतिशत प्रयोगशाला पाठ्यक्रमों के होने चाहिए। उदाहरण के लिए, यदि आप इन तीन विषयों में कुल 64 क्रेडिट के पाठ्यक्रम लेते हैं, तो इनमें से कम से कम 16 क्रेडिट प्रयोगशाला पाठ्यक्रमों के होने चाहिए।
- किसी पाठ्यक्रम में पंजीकरण कराए बिना आप उसकी सत्रांत परीक्षा में नहीं बैठ सकते। अगर आप ऐसा करते हैं तो उस पाठ्यक्रम का परीक्षाफल रोक दिया जाएगा और इसका दायित्व भी आप पर ही होगा।



विज्ञान विद्यापीठ
इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली-110 068

(2021)

प्रिय विद्यार्थी,

हम उम्मीद करते हैं कि स्नातक उपाधि कार्यक्रम में अपनायी गयी मूल्यांकन पद्धति से आप भली-भांति परिचित हैं। आपके नामांकन के बाद हमने आपको ऐच्छिक पाठ्यक्रम की एक कार्यक्रम दर्शिका भेजी थी। उसमें सत्रीय कार्य से संबंधित जो भाग हैं उसे कृपया दुबारा पढ़ लें। जैसा कि आप जानते हैं निरन्तर मूल्यांकन के लिए 30% अंक निर्धारित किये गये हैं। इसके लिए आपको **एक सत्रीय कार्य** करना होगा। यह सत्रीय कार्य इस पुस्तिका में शामिल है।

सत्रीय कार्य से संबंधित निर्देश

इससे पहले कि आप किसी प्रश्न का उत्तर लिखें, निम्नलिखित निर्देशों को ध्यान से पढ़ें।

1) अपनी उत्तर पुस्तिका के पहले पृष्ठ पर सबसे ऊपर निम्नलिखित प्रारूप के आधार पर विवरण लिखें।

नामांकन संख्या :

नाम :

पता :

.....

पाठ्यक्रम संख्या :

पाठ्यक्रम शीर्षक :

सत्रीय कार्य संख्या :

अध्ययन केंद्र :

दिनांक :

कार्य के सही और शीघ्र मूल्यांकन के लिए दिये गये प्रारूप का सही अनुसरण करें।

2) अपना उत्तर लिखने के लिए फुलस्कैप कागज़ का इस्तेमाल करें, जो ज़्यादा पतला न हो।

3) प्रत्येक कागज़ पर बायें, ऊपर और नीचे 4 से. मी. की जगह छोड़ें।

4) आपके उत्तर स्पष्ट होने चाहिए।

5) प्रश्नों के हल लिखते समय, स्पष्ट संकेतों द्वारा बताएं कि किस प्रश्न का कौनसा भाग हल किया जा रहा है।

6) यह सत्रीय कार्य 1 जनवरी, 2021 से लेकर 31 दिसम्बर, 2021 तक वैध हैं। इस सत्रीय कार्य पुस्तिका के मिलने के 12 हफ्तों के अन्दर ही सत्रीय कार्य पूरा करने की कोशिश कीजिए, ताकि सत्रीय कार्य का एक शिक्षण साधन की तरह उपयोग हो सके। निर्धारित तिथि के पश्चात् प्राप्त होने वाली उत्तर पुस्तिकाओं को स्वीकार नहीं किया जाएगा।

7) परीक्षा फार्म भरने से पहले सत्रीय कार्य करना अनिवार्य है।

अपनी उत्तर पुस्तिका की फोटोकॉपी ज़रूर रखिए।

शुभकामनाओं के साथ।

सत्रीय कार्य
(अध्यापक जांच सत्रीय कार्य)
आनुवंशिकी

पाठ्यक्रम कोड : LSE-03
सत्रीय कार्य कोड : LSE-03/TMA/2021

कुल अंक : 100

1. एक उपयुक्त क्रॉस द्वारा मेन्डल के स्वतन्त्र अपव्यूहन नियम की व्याख्या कीजिए। (10)
2. गुणसूत्रीय लिंग निर्धारण की पांच प्रकार की क्रियाविधियों का संक्षेप में वर्णन कीजिए तथा प्रत्येक का एक-एक उदाहरण दीजिए। (10)
3. निम्नलिखित में अंतर लिखिए : (10)
 - i) प्रभावी और अप्रभावी प्रबलता
 - ii) पूर्ण और अपूर्ण सहलग्नता
4. गुणसूत्रों में पाई जाने वाली चार प्रकार की संरचनात्मक अपसमान्यताओं का स्पष्ट तथा नामांकित चित्रों की सहायता से वर्णन कीजिए। (10)
5. बहुगणिता से क्या तात्पर्य है? स्वबहुगणिता और परबहुगणिता में भेद लिखिए। पादप प्रजनन में इनकी भूमिका की उपयुक्त उदाहरणों द्वारा व्याख्या कीजिए। (10)
6. जीवों में जीन अभिव्यक्ति के विभिन्न नियंत्रण बिंदुओं के बारे में विस्तार से लिखिए। प्रोकेरियोटों में जीन अभिव्यक्ति के नियंत्रण की प्रमुख विधि क्या है? (10)
7. किन्हीं दो अर्बुदीय RNA वाइरसों के उदाहरण लिखिए। एक प्रवाह-संचित्र (flow-chart) के माध्यम से RNA ट्यमूर वाइरस द्वारा सामान्य कोशिका के रूपांतरण के विभिन्न चरण दर्शाइए। (10)
8. एग्रोबैक्टीरियम टूमीफेसियन्स के Ti प्लैज्मिड का पादप आनुवंशिक अभियांत्रिकी में किस प्रकार उपयोग किया जाता है? इस प्रक्रिया को विस्तार से समझाइए। (10)
9. हार्डी-वाइनबर्ग नियम लिखिए। चर्चा कीजिए कि यह किन स्थितियों में लागू होता है? (10)
10. आनुवंशिक परामर्श से क्या तात्पर्य है? आनुवंशिक विकारों के जन्मपूर्व निदान द्वारा मानव स्वास्थ्य किस प्रकार बेहतर बनाया जा सकता है? (10)